महिदपुर में मंगल वरदाय चातुर्मास का भव्य मंगल प्रवेश, श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हुआ नगर

महिदपुर। प्रात: स्मरणीय, कलिकाल कल्पतरु, अभिदान राजेंद्रकोष रचयिता, विश्वपूज्य दादागुरुदेव आचार्य देवेश श्रीमद् विजय राजेंद्रसुरीश्वर एवं पुण्य सम्राट गुरुदेव आचार्य देवेश श्रीमद् विजय जयंतसेनसूरीश्वर की दिव्य कृपा से एवं हृदय सम्राट वर्तमान गच्छाधिपति आचार्य आचार्य देवेश श्रीमद् विजय नित्यसेनसुरीश्वर की आज्ञा से महिदपुर नगर में श्री राजेंद्रसूरीश्वरजी महाराजा जन्म द्विशताब्दी समर्पित मंगल वरदाय चातुर्मास होने जा रहा है। जिसका का भव्य मंगल प्रवेश गुरुवार को शोभायात्रा, धर्मसभा एवं विविध धार्मिक आयोजनों के साथ श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ। मातृ हृदया साध्वी स्नेहलता की सुशिष्या साध्वी तत्वलता, साध्वी कुसुमलता, साध्वी जिनांगयशा एवं साध्वी करुणायशा आदि ठाणा का महिदपुर नगर में मंगल प्रवेश हुआ।

नगर सहित देश के विभिन्न स्थानों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा वातावरण धर्ममय हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री लाल मंदिर में आयोजित नवकारसी से हुआ। इसके पश्चात श्री लाल मंदिर से भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई त्रिस्तुतिक जैन पौषधशाला पहुंची। शोभायात्रा में सुसज्जित घोड़े, धर्मध्वज, बैंड, ढोल एवं आकर्षक रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। एक रथ में विश्वपूज्य दादागुरुदेव विजय राजेन्द्रसूरीश्वर तथा दूसरे रथ में पुण्य सम्राट गुरुदेव जयंतसेनसूरीश्वर की प्रतिमाएं विराजित थीं, पूज्य गुरुदेव की मूर्ति के समक्ष शोभा यात्रा में धर्मावलियों ने बड़ी संख्य में गवली कर श्रद्धा अभिव्यक्त की शोभायात्रा में साध्वी भगवंत, की अगवानी में नगर के समस्त श्री संघ सदस्य, महिला मंडल, बहु मंडल, बालिका मंडल, श्रावक-श्राविकाएं, बच्चे, जैन सोशल ग्रुप ,जैन समाज के अन्य विविध संगठन सदस्य सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी शामिल हुए। शोभायात्रा की संपूर्ण व्यवस्था आदर्श महावीर नवयुवक मंडल द्वारा की गई।

त्रिस्तुतिक जैन पौषधशाला में

आयोजित धर्मसभा का संचालन श्री संघ के उपाध्यक्ष आकाश मेहता ने किया। कोषाध्यक्ष वीरेंद्र मेहता ने गुरु वंदन किया । श्री राजेन्द्र सूरी महिला मंडल, बहु मंडल एवं राज गादिया द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। श्री संघ के अध्यक्ष आशुतोष छजलानी ने स्वागत भाषण दिया तथा सचिव संयम बांठिया ने आभार व्यक्त किया। अपने मंगल प्रवचन में साध्वी श्री तत्वलता श्रीजी मसा ने कहा कि चातुर्मास केवल चार माह का काल नहीं, बल्कि आत्मकल्याण का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने बताया कि इन चार महीनों में धर्म, आराधना, संयम, स्वाध्याय एवं तप के माध्यम से आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। साध्वीश्री ने मंगल वरदाय चातुर्मास नाम का आध्यात्मिक महत्व समझाते हुए कहा कि यह चातुर्मास सभी के जीवन में मंगल, सद्भाव एवं धर्मभावना का विकास करने वाला है। उन्होंने श्रद्धालुओं से चातुर्मास के प्रत्येक दिन को धर्माराधना, त्याग एवं सदाचार से सार्थक बनाने का आव्हान किया।प्रवेश कार्यक्रम की अगवानी में क्षेत्र विधायक दिनेश जैन, बहादुर सिंह चौहान उपस्थित रहे एवं श्री संघ सदस्यों के साथ प्रवेश मार्ग पर धार्मिक धुनों पर भक्ति नृत्य में झूमे। अखिल भारतीय राजेन्द्र नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश छाजेड़ पारा वाले, अ भा राजेंद्र नवयुवक परिषद के मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा नागदा, मध्यप्रदेश राजेंद्र महिला परिषद अध्यक्ष संगीता पोरवाल भी सोमैया में विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही नागदा, कुशलगढ़, महिदपुर रोड, उज्जैन, सारंगी, करवड़, पारा, जावरा, रतलाम, राजगढ़, टांडा, धामंदा, मेघनगर, खाचरौद, पुणे, बड़नगर, धार, कसरावद, बबलई एवं सरवा श्री संघ सहित अनेक श्री संघों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर विभिन्न चातुर्मासी लाभों की घोषणाएं एवं बहुमान सम्पन्न हुए। चातुर्मास कलश स्थापना, अखंड दीपक, चातुर्मास के चारों महीने में बहुमान करने एवं गुरु पूर्णिमा के दिवस गुरु पूजन करने के लाभार्थी धुलचंद नाथूलाल बांठिया परिवार रहे। शास्त्र वोहराने का लाभ श्री प्रकाशचंद जी सा चंडालिया परिवार, कुशलगढ़ वालों ने लिया, गुरु पूजन का लाभ पूज्य गुरुवर्या के सांसारिक परिवार रतनलाल अनोखीलाल भटेवरा परिवार, रतलाम द्वारा लिया गया। आयंबिल खाता एवं ओलीजी के लाभार्थी शीला शरद भटेवरा परिवार (महिदपुर सिटी) एवं नवकारसी के लाभार्थी छजलानी परिवार का बहुमान भी किया गया।

एक नजर में

रुड़हेड़ा में आज लगेगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

उज्जैन। आरोग्य भारती उज्जैन महानगर और ग्रामीण द्वारा सोमवार 27 जुलाई को ग्राम रुड़हेड़ा में एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में अखिल भारतीय अपना ग्राम स्वस्थ ग्राम आयाम के प्रमुख एवं क्षेत्रीय संयोजक भोलानाथ विशेष रूप से ग्राम प्रवास पर रहेंगे। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इस दौरान गांव में विभिन्न सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें मुख्य रूप से गर्भ संस्कार, स्कूल प्रबोधन, पौधारोपण, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर और अपना ग्राम स्वास्थ्य ग्राम योजना के तहत किसान संगोष्ठी शामिल है। आयोजन में आरोग्य भारती के संरक्षक द्वय, अध्यक्ष, सचिव और वरिष्ठ सदस्यों की सहभागिता रहेगी। आरोग्य भारती ग्रामीण अध्यक्ष उज्जैन टोली एसपी अहिरवार ने सभी संबंधितों और ग्रामीणों से इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

ऋषभदेव केशरीयानाथ पेढ़ी में साध्वीवर्या का चातुर्मास प्रवेश

उज्जैन। ऋषभदेव केशरीयानाथ पेढ़ी खाराकुआ पर चातुर्मास के लिए पधारीं साध्वीवर्या दिव्ययशाश्री, दिव्यदर्शाश्री और दिव्यनेहाश्री का भव्य चातुर्मास प्रवेश संपन्न हुआ। सामैया प्रवेश दौलतगंज स्थित कांच मंदिर से शुरू होकर खाराकुंआ मंदिर पहुंचा। इसमें नगर में विराजित साध्वी उपेन्द्र यशाश्री और तारक रत्नाश्री भी शामिल हुईं। शोभायात्रा में उज्जैन के विभिन्न संघों के समाजजनों के साथ ही बाहर से आए श्रावक-श्राविकाएं और महिला मंडल भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। खाराकुंआ मंदिर पहुंचने के बाद धर्मसभा का आयोजन किया गया। इसमें महिला मंडलों और तरवेचा बंधुओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किए। विधायक अनिल कालूहेड़ा ने साध्वीवर्या के आगमन पर स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर राजमल मोहनलाल परिवार ने साध्वी को कांबली ओढ़ाने का लाभ लिया। वहीं, इंदौर के अभय वागरेचा परिवार ने गुरु पूजा का लाभ लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रमोद जैन ने किया।

सिंहस्थ से पहले एक लाख पेड़ तैयार करने का लक्ष्य

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण और आगामी सिंहस्थ से पहले शहर में एक लाख वृक्ष तैयार करने के संकल्प के साथ निरंकारी मिशन तथा वृक्ष मित्र सेवा समिति ने विक्रम विश्वविद्यालय की चरक वाटिका में रोपे गए हजारों पौधों का संरक्षण किया। वन नेस वन अभियान और पर्यावरण के लिए हर संडे 2 घंटे के तहत जुलाई के आखिरी रविवार को स्वयंसेवकों ने पौधों की विशेष देखभाल की। मीडिया सहायक विनोद गज्जर और जितेश बत्रा ने बताया कि माता सुदीक्षा जी और राजपिता रमित जी के मार्गदर्शन में संत निरंकारी मिशन साल भर जल, थल और वायु संरक्षण के लिए सेवा कार्य करता है। समिति का मुख्य उद्देश्य सिर्फ पौधे रोपना नहीं है, बल्कि उनके वृक्ष बनने तक उनका पूरा रखरखाव करना है ताकि आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध वायु का लाभ मिल सके। समिति के अजय भातखंडे ने बताया कि सिंहस्थ से पहले पूरे उज्जैन में एक लाख वृक्षों को तैयार करने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। इस पुनीत कार्य में शहर के प्रोफेसर, डॉक्टर और समाजसेवियों सहित कई गणमान्य नागरिक अपनी निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को निरंकारी मिशन के दर्जनों भक्तों ने चरक वाटिका पहुंचकर पौधों के आसपास से खरपतवार हटाई और उन्हें पर्याप्त खाद-पानी दिया। वृक्ष संरक्षण अभियान के पश्चात पंवासा स्थित संत निरंकारी भवन में सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां उज्जैन मुखी त्रिलोक बेलानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पौधे छोटे बच्चों की तरह होते हैं। जिस प्रकार बच्चों को अच्छी परवरिश देकर बड़ा किया जाता है, उसी तरह रोपे गए पौधों का भी समुचित पालन-पोषण करना आवश्यक है। तभी वे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर समाज को प्राणवायु प्रदान करेंगे। इस सत्संग में सैकड़ों की संख्या में निरंकारी भक्त उपस्थित रहे।

कारगिल के वीर सैनिकों का अदम्य साहस और बलिदान राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत

उज्जैन। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। इस दौरान प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य हरीश व्यास ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का त्याग और पराक्रम सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। प्रशासनिक अधिकारी आर.के. तिवारी ने कहा कि यह दिवस वीर जवानों के साहस और सर्वोच्च समर्पण की याद दिलाता है, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा की। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं और अनुशासन, परिश्रम व देशभक्ति को जीवन का आधार बनाएं। शशि जोशी ने उपस्थित सभी को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति समर्पित रहने तथा शहीदों के आदर्शों का अनुसरण करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का समापन शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण कर किया गया। यह कार्यक्रम प्रमिला बघेल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आर.के. नीमा, अजय सक्सेना, अनिल पांडे, आर.एस. राठौर, क्रीड़ा अधिकारी रंजीत राय, जीवन सिंह सोलंकी, पुस्तकालय अधिकारी दीपक मीणा, नलिन, रत्नेश, राकेश पोरवाल, इसरार खान, आशीष, देवराज, प्रदीप, श्याम, लखन, एनसीसी कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर कृष्णा भदोरिया, तनीषा, अंडर ऑफिसर हर्ष परिहार सहित अन्य एनसीसी कैडेट उपस्थित थे।

कैंसर के अत्याधुनिक उपचार व नई रिसर्च पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

उज्जैन। आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के नाद ब्रह्मा कन्वेंशन सेंटर में 25 और 26 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय एमपी-सीजी चैप्टर रेडिएशन ऑन्कोलॉजी कॉन्फ्रेंस में देशभर के विशेषज्ञों ने कैंसर के इलाज पर मंथन किया। इस साइंटिफिक मीटिंग में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल फिजिसिस्ट, रेजिडेंट्स और कैंसर केयर प्रोफेशनल्स शामिल हुए। यह कॉन्फ्रेंस कैंसर के क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान, एकेडमिक चर्चा और नई रिसर्च के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

कार्यक्रम में प्रिसिजन रेडियोथेरेपी, उभरती तकनीकों, एविडेंस-बेस्ड क्लिनिकल प्रैक्टिस और कैंसर मैनेजमेंट के

देश के कई जाने-माने विशेषज्ञ रहे उपस्थित

कॉन्फ्रेंस में देशभर के ख्यात कैंसर विशेषज्ञ शामिल हुए। इनमें एआरओआई के अध्यक्ष डॉ. हामिद घोरी, सचिव डॉ. सुरुचि सिंह, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और एम्स के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. जीके रथ, डॉ. एसएन सेनापति, डॉ. श्रीनिवासन वेकाटेसन, डॉ. जेपी अग्रवाल, डॉ. सिद्धार्थ लस्कर और डॉ. विवेक आनंद उपस्थित थे। कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. दिनेश पेंढारकर और डॉ. पीजी चितालकर रहे। आयोजन समिति ने सफल आयोजन के लिए सभी फैकल्टी सदस्यों, प्रतिनिधियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच पर एक्सपर्ट पैनल चर्चा, केस-आधारित विचार-विमर्श तथा ओरल व पोस्टर प्रेजेंटेशन हुए। पोस्टग्रेजुएट छात्रों और युवा ऑन्कोलॉजिस्ट ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने रिसर्च और क्लिनिकल अनुभव साझा किए। आयोजक अध्यक्ष एवं आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. वीके महाडिक ने बताया कि आयोजन कैंसर देखभाल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया। वहीं, उज्जैन कैंसर सेंटर के अध्यक्ष डॉ. दिनेश पेंढारकर ने बताया कि सेंटर नवीनतम रेडिएशन मशीनों और सर्वोत्तम तकनीक से सुसज्जित है। यहां जल्द ही पीईटी स्कैन सुविधा शुरू होने वाली है।

पुलिस पेंशनर संघ की नशा मुक्ति जागरूकता रैली कल

उज्जैन। मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 30 जुलाई तक पूरे प्रदेश में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस पेंशनर संघ, उज्जैन द्वारा 28 जुलाई (मंगलवार) को नशा मुक्ति जागरूकता रैली एवं जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

पुलिस पेंशनर संघ के अध्यक्ष प्रमोद सिंह भदौरिया एवं मीडिया प्रभारी अखिलेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक स्थानीय टॉवर चौक पर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस दौरान नशा मुक्ति से संबंधित पर्चों का वितरण कर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा।

इस अभियान में प्रोग्रेसिव पेंशनर संघ, प्रमुख पेंशनर संघ, मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर संघ, प्रभुत्व पेंशनर संघ, सेवा दल सहित अन्य सामाजिक संगठन भी पुलिस पेंशनर संघ के साथ सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत टॉवर चौक से शहीद पार्क चौराहे तक नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली जाएगी, जिसमें नागरिकों से नशे के खिलाफ एकजुट होकर समाज को नशामुक्त बनाने का आह्वान किया जाएगा।

उज्जैन जिले में 2 लाख नए सदस्य बनाएगा किसान संघ : भारत सिंह बैस

उज्जैन। विश्व के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ का कोठी रोड स्थित कृषक प्रशिक्षण केंद्र पर चल रहा दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग संपन्न हो गया है। वर्ग में संगठन के विस्तार पर जोर देते हुए उज्जैन जिले में दो लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। प्रांत मंत्री भारत सिंह बैस ने सदस्यता अभियान की कार्ययोजना रखते हुए यह जानकारी दी।

कुल आठ सत्रों में चले इस अभ्यास वर्ग के उद्घाटन सत्र को प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने संबोधित किया। चतुर्थ सत्र में प्रांत महामंत्री रमेश दांगी ने संगठन की कार्य पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसान सुखी रहेगा तभी देश सुखी होगा। संगठन का मुख्य उद्देश्य किसानों को संगठित कर उनकी समस्याओं के लिए आंदोलन करना, शासन-प्रशासन से समाधान निकालना और रचनात्मक कार्य करना है। उन्होंने बताया कि हम व्यक्तिगत लाभ के बजाय समाज हित में पौधारोपण, जल संरक्षण, रक्तदान, पशु टीकाकरण और गोपालकों के सम्मान जैसे कार्य करते हैं। जिले के मंगरोला गांव में समरस महादेव और समरस सहभोज सामाजिक समरसता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रांत सह संगठन मंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि संगठन सर्वोपरि है और कार्यकर्ता ही हमारे काम का मुख्य आधार हैं। हमारा राष्ट्रवादी और राष्ट्रव्यापी संगठन देश हित के लिए समर्पित है। अभ्यास वर्ग में जिले की नौ तहसीलों से अपेक्षित 120 में से 99 प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कारगिल की ऊंची चोटियां सुना रही भारतीय सैनिकों के पराक्रम की गाथा : प्रो. कल्पना सिंह

उज्जैन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का उत्साह और देशभक्ति के माहौल में समापन हुआ। महाविद्यालय के एनसीसी, क्रीड़ा विभाग एवं आईक्यूएसी द्वारा आयोजित इस समापन समारोह में प्राचार्य प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने युवाओं से राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

प्राचार्य प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि कारगिल की ऊंची और बहुत कम तापमान वाली चोटियां भारतीय सैनिकों के पराक्रम की गाथा सुना रही हैं। भारतीय सैनिकों ने जिस अदम्य साहस और युद्ध

कौशल का परिचय दिया, उसका पूरी दुनिया ने लोहा माना है। युवा कैडेट्स इन शहीदों से प्रेरणा लें और देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का संकल्प लें। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से कारगिल विजय दिवस के अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में पौधे रोपने और उन्हें बड़ा करने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया। कार्यशाला के संयोजक व एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. मोहन निमोले ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। इसके पश्चात ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान हुआ और सीनियर अंडर ऑफिसर यश परमार की कमांड में एनसीसी कैडेट्स ने ध्वज को सलामी दी। समारोह में प्राचार्य द्वारा निबंध, पोस्टर और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वर्तमान के कर्म ही अगले जन्म का आधार, आत्मा के विरुद्ध न करें कोई काम

उज्जैन। मनुष्य जीवन प्राप्त करने के बाद हमें इसका मुख्य उद्देश्य समझना होगा। हम इंद्रियों से कोई भी कर्म करने से पूर्व सत्कर्म करना सुनिश्चित करें और अपनी आत्मा की आवाज के विरुद्ध कोई कार्य न करें, क्योंकि आत्मा का क्षय असहनीय है। वर्तमान के हमारे कर्म ही अगले जन्म का आधार बनते हैं। यह विचार आचार्य जीवनप्रकाश आर्य ने आर्य समाज में आयोजित रविवारीय साप्ताहिक सत्संग में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिस तरह मकान निर्माण से पहले मन और बुद्धि में उसका नक्शा बनाया जाता है, उसी तरह जीवन को भी सही दिशा देनी चाहिए। हमारी आवश्यकताएं अनंत हैं जबकि क्षमताएं सीमित हैं। जीवन का निर्माण और योग्य संतान समाज को देना भी एक यज्ञ के समान है। गृहस्थ जीवन के पश्चात वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम में पूरे संसार को अपना परिवार मानते हुए, जीवन को यज्ञमय बनाकर मोक्ष प्राप्ति की कामना करनी चाहिए। सत्संग में सत्यार्थ प्रकाश ग्रंथ की व्याख्या करते हुए पूर्व प्रधान राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि यज्ञ की सुगंध हमारे व्यक्तित्व में आनी चाहिए। इसका तात्पर्य है कि हमें अपना जीवन सद्विचारों और परोपकार के लिए आहुत करना होगा। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्य पंडित राजेंद्र व्यास के ब्रह्मत्व में वैदिक राष्ट्रीय प्रार्थना और वेदमंत्रों के साथ देवयज्ञ संपन्न हुआ।समारोह में ईश प्रार्थना देवेंद्र ने तथा भजन सम्पत पाटीदार ने प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का सफल संचालन विष्णु शर्मा ने किया।

देवशयनी एकादशी पर निकली दिंडी यात्रा में गूंजा जय जय रामकृष्ण हरी

उज्जैन। आषाढ़ी देवशयनी एकादशी पर शनिवार को समग्र हिंदू समाज के तत्वावधान में सामाजिक समरसता की प्रतीक दिंडी यात्रा श्रद्धाभाव से निकाली गई। महाराष्ट्र की 800 वर्ष पुरानी संत परंपरा का निर्वहन करते हुए शहर में लगातार तीसरे वर्ष यह आयोजन हुआ। इसमें जात-पात का भेद मिटाकर सभी समाजजनों ने सहभागिता की। पूरी यात्रा में जय जय रामकृष्ण हरी और विट्ठल विट्ठल विठ्ठला का संकीर्तन गूंजता रहा।

टावर चौराहे से शुरू हुई यात्रा, मार्ग में हुई पुष्पवर्षा: यात्रा शाम 5 बजे टावर चौराहे से शुरू हुई। इससे पहले शाम 4.45 बजे महामंडलेश्वर शैलेशानंद जी, महंत काशीदास जी और महंत रामदास जी के सानिध्य में महाआरती व पूजन हुआ। यात्रा में

महिलाएं भगवान विठ्ठल-रुक्मिणी की मूर्ति और तुलसी के पौधे सिर पर धारण कर संकीर्तन करते हुए चल रही थीं। संपूर्ण मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भव्य यात्रा का स्वागत किया।

गजानन महाराज मंदिर पर हुआ समापन: टावर चौराहे से शुरू होकर यात्रा शहीद पार्क, सांदीपनि चौराहा, देसाई नगर और लक्ष्मीनगर चौराहा होते हुए शाम लगभग पौने सात बजे सेठीनगर स्थित श्री गजानन महाराज मंदिर पहुंची। यहां पुन: आरती और प्रसाद वितरण के साथ यात्रा का विधिवत समापन हुआ।

विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक रहे मौजूद

इस धार्मिक आयोजन में माहेश्वरी समाज, मराठा समाज और बैरवा समाज सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर इकबाल सिंह गांधी, सोनू गेहलोत, मीना जोनवाल, उमेश सेंगर, सुरेंद्र मरमट, दीपक मरमट, भगवान शर्मा, राजेन्द्र परब और श्याम माहेश्वरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एक नजर फीगंज में 28 जुलाई तक चलेगा धार्मिक अनुष्ठान, 51 पूजाओं से हो रही 458 अकृत्रिम जिनालयों की वंदना

इन्द्रध्वज महामंडल विधान में समर्पित किए 390 अर्घ्य

उज्जैन। 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर के तत्वावधान में फ्रीगंज में 21 से 28 जुलाई तक आयोजित इन्द्रध्वज महामंडल विधान का शनिवार को पांचवां दिन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। विधानाचार्य पं. श्रेयस जैन पिण्डरई के सान्निध्य में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान और पूजन-अर्चना की जा रही है। विधान के पांचवें दिन तक पंचमेरु से संबंधित 390 अर्घ्य मंडल पर समर्पित किए जा चुके हैं। मंदिर समिति के सचिव राहुल जैन और अध्यक्ष धर्मेन्द्र सेठी ने बताया कि जैन शास्त्रों में इन्द्रध्वज महामंडल विधान को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। आर्यिका पूर्णमती माता द्वारा रचित इस विधान में 51 पूजाओं के माध्यम से मध्यलोक स्थित 458 अकृत्रिम जिनालयों की वंदना की जाती है। आगामी दिनों में नंदीश्वर द्वीप स्थित 52 जिनालयों और मनुषोत्तर पर्वत स्थित जिनालयों पर ध्वजाएं समर्पित की जाएंगी।

संतान प्राप्ति और मोक्ष का मार्ग है यह विधान: विधान की कथा के अनुसार भूपण देश के राजा वज्रसेन और रानी भूपणा ने संतान प्राप्ति की कामना से चारण मुनिराज के उपदेशानुसार इन्द्रध्वज व्रत का विधिपूर्वक पालन किया था। इस व्रत के प्रभाव से उन्हें इन्द्र के समान तेजस्वी पुत्र मिला और अंत में मोक्ष पद की प्राप्ति हुई। मान्यता है कि यह विधान पारिवारिक सुख-समृद्धि, संतान प्राप्ति और मोक्ष मार्ग में प्रगति का श्रेष्ठ साधन है।

संतों का मिला दिव्य आशीर्वाद: इस भव्य धार्मिक आयोजन को संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महाराज के शिष्य आचार्य समयसागर मुनिराज, आचार्य प्रज्ञासागर मुनिराज और मुनि प्रणीतसागर महाराज का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त है।

आयोजन में इन पुण्यार्जक परिवारों की रही सहभागिता

आयोजन में पुण्यार्जक परिवारों की विशेष सहभागिता रही। इनमें ध्वजारोहणकर्ता राजेन्द्र राजश्री, द्रव्य प्रदाता सारिका, रूबी एवं लविश जैन परिवार, मुख्य कलश पुण्यार्जक कैलाश दादा, संजय एवं सारिका जैन तथा यज्ञ नायक रुपेन्द्र-सुलोचना एवं सरोज सेठी रहे। सौधर्म इन्द्र पुण्यार्जक के रूप में नरेन्द्र-शकुन्तला प्रसन्न प्रीति बिलाला, महेन्द्र-सारिका गंगवाल, शकुन्तला-प्रदीप-प्रीति झाँझरी, अशोक-सुनीता जैन, कमल-विनिता-राहिल बड़जात्या, नरेन्द्र-मधु-हितेष-तनु बड़जात्या, रमेश-मीना-एकता जैन और इन्दर-लता-अर्पित जैन शामिल हुए। अखण्ड जोत पुष्पा बज ने प्रज्वलित की, जबकि राजेन्द्र पुनम आशीष सस्ट्रीका गोहिल ने श्रीफल समर्पित किया। वहीं, चार दिशाओं में कलश ओमअंजू जैन, सुभाष शकुन्तला सोनी, कान्ता मुकेश जैन और राजेन्द्र शकुन्तला पंतग्या परिवार ने स्थापित किए।